तेली समाज: उत्पत्ति, व्यापार और संघर्ष का महाकाव्य

एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक यात्रा

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

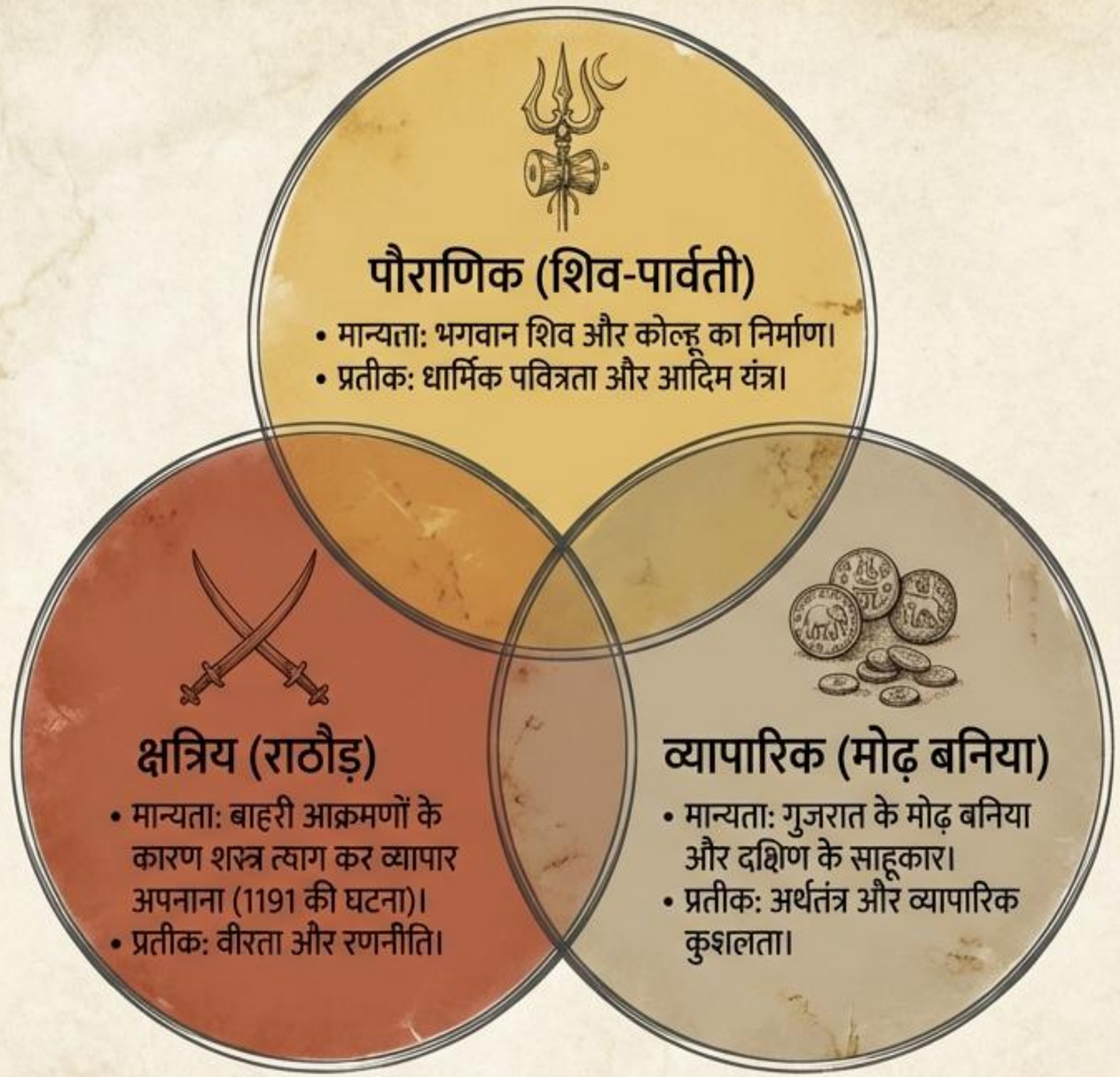

TELISOCIETY.COM

तेली समाज की पहचान केवल एक पेशे तक सीमित नहीं है, यह धर्म, युद्ध और अर्थशास्त्र का एक जटिल संगम है।

प्रथम कोल्हू: भगवान शिव का वरदान

1. **गणेश की उत्पत्ति:** माता पार्वती द्वारा मैल से गणेश का निर्माण और शिव द्वारा अनजाने में उनका मस्तक काटना।

2. **हाथी का बलिदान:** पुनर्जीवन के लिए दक्षिण मुखी हाथी का मस्तक उपयोग किया गया, जो एक व्यापारी का था।

3. **शिव का प्रायश्चित:** विलाप करते व्यापारी को सांत्वना देने के लिए भगवान शिव ने '**कोल्हू**' (ओखली और मूसल) का आविष्कार किया।

4. **प्रथम तेली:** व्यापारी ने इस यंत्र से बीजों को पेरकर तेल निकालना शुरू किया और वह ब्रह्मण्ड का प्रथम 'तेली' कहलाया।

TELISOCIETY.COM

एक पेशा, अनेक नाम: भौगोलिक विस्तार

गुजरात व पश्चिम: घांची, मोढ़ बनिया, गांधी, मोदी।

उत्तर व मध्य भारत: साहू, राठौड़, गुप्ता, जायसवाल, चौधरी।

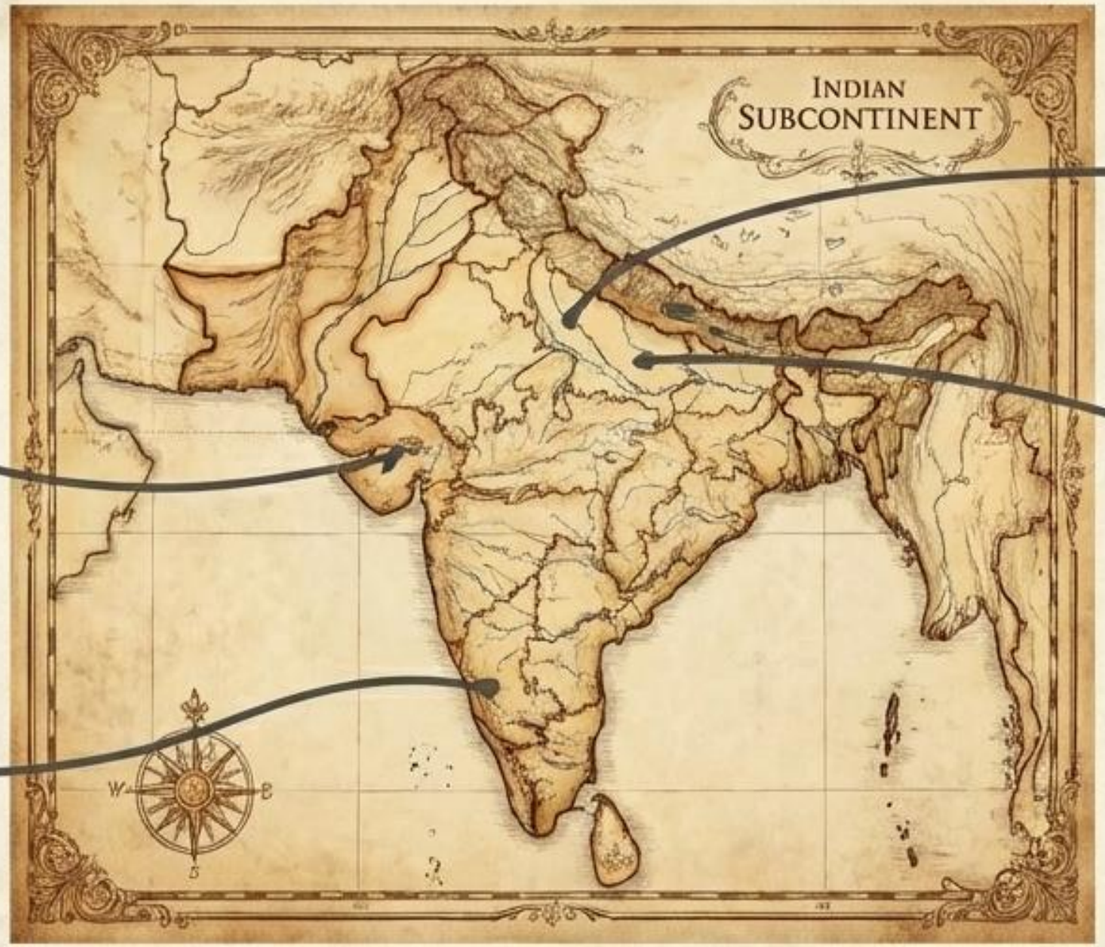

दक्षिण भारत: चेट्टियार, गनिगा, वनियार।

पाकिस्तान व नेपाल: मलिक, रोशनदार (मुस्लिम तेली)।

आज भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 14% हिस्सा इस समुदाय से जुड़ा है, जो इसे वैश्य और ओबीसी वर्ग की सबसे प्रभावशाली जातियों में से एक बनाता है।

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

कोल्हू की संस्कृति: तकनीक और आस्था का संगम

बैल (ईश्वर का रूप): बैल को साक्षात ईश्वर का अवतार और पुत्र समान माना जाता था।

लकड़ी की घानी: बीजों (सरसों, तिल) को दबाने का आदिम और शुद्धतम तरीका।

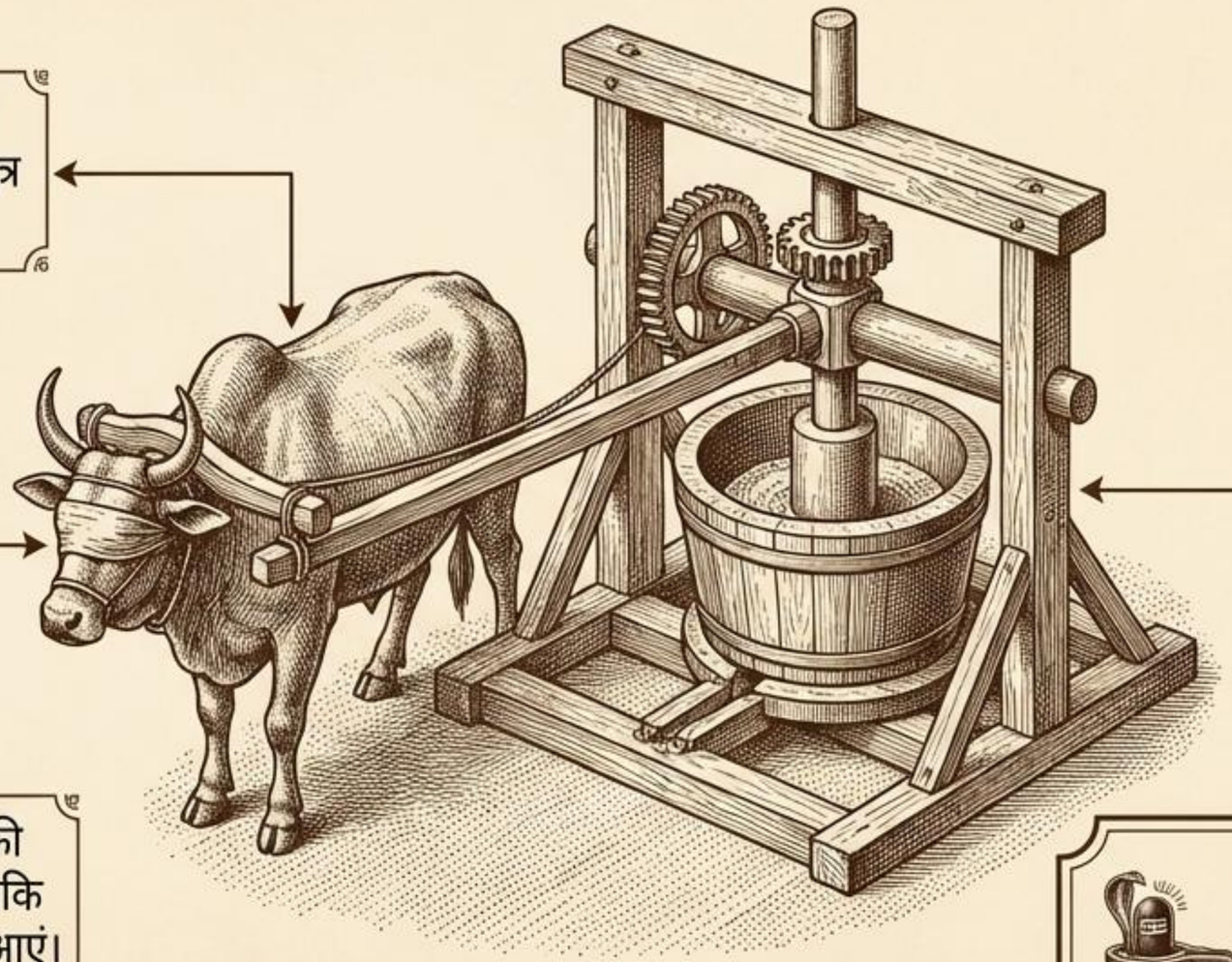

झापड़ (आंखों की पट्टी): बैल की आंखों पर पट्टी बांधी जाती थी ताकि उसे गोल घूमते समय चक्कर न आएं। यह करूणा का प्रतीक था।

सोमवार का विश्राम: कोल्हू को शिव का आशीर्वाद माना जाता था, इसलिए शिव के दिन (सोमवार) को मशीन और बैल दोनों को विश्राम दिया जाता था।

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

वर्ण व्यवस्था का उतार-चढ़ाव: अहिंसा और व्यापार

1. वैश्य और व्यापारी (प्राचीन काल)

समाज में तेल और प्रकाश की आपूर्ति के कारण उच्च आर्थिक और सामाजिक स्थिति।

2. जैन धर्म और अहिंसा का प्रभाव

कुछ स्मृतिकारों द्वारा बीजों को पेरने की प्रक्रिया को 'हिंसक' (जीव हत्या) माना गया।

3. शूद्र श्रेणी में धकेलना

इस वैचारिक बदलाव के कारण तेल पेरने वालों को कुछ समय के लिए धार्मिक रूप से अशुद्ध और निचला दर्जा दिया गया।

4. साहूकार और सत्ता (आधुनिक काल)

व्यापार विस्तार, साहूकारी (बैंकिंग), और अंततः ओबीसी/ईबीसी सशक्तिकरण के माध्यम से पुनः वर्चस्व।

TELISOCIETY.COM

व्यापार संघ से मंदिर निर्माण तक

9वीं से 13वीं सदी के बीच, तेली समुदाय ने स्थानीय व्यापार संघ (Guilds) बनाए।
तेल और तिलहन के व्यापार से अपार धन अर्जित कर वे 'साहूकार' (Financiers) बन गए।

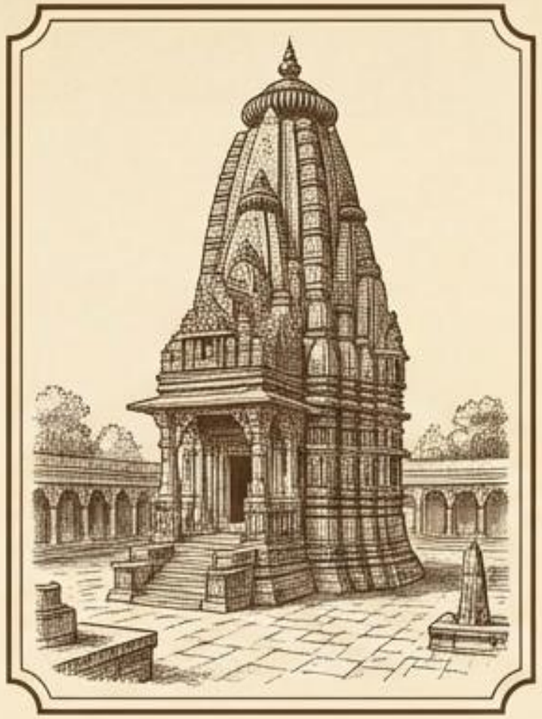

तेली का मंदिर (ग्वालियर): 9वीं सदी का गुर्जर-प्रतिहार कालीन विशाल मंदिर, जिसे तेल व्यापारियों के संघ ने बनवाया था।

बाबा नायक धाम (उत्तराखंड): तेली समुदाय के कुल देवता का पवित्र स्थल।

नालंदा स्तूप: ह्वेनसांग के अनुसार, तेलाधक वंश (गुप्त वंश से जुड़े) के राजा बालादित्य द्वारा निर्मित।

Teli Samaj
TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

भक्ति आंदोलन के स्तंभ: संत और महापुरुष

भक्त शिरोमणि माँ कर्मा बाई।
भगवान जगन्नाथ की परम भक्त।
पुरी मंदिर में आज भी उनके सम्मान
में भगवान को सर्वप्रथम 'खिचड़ी'
का भोग लगाया जाता है।

संत संताजी जगनाडे।
महाराष्ट्र के महान संत और संत
तुकाराम के प्रमुख शिष्य।
तुकाराम जी के 'अभंगों' को संकलित
और सुरक्षित रखने का ऐतिहासिक श्रेय।

भक्त राजिम माता।
छत्तीसगढ़ की महान संत।
राजिम का प्रसिद्ध मंदिर आज भी
उनके तप और आस्था की
गवाही देता है।

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

शूरवीर और साम्राज्य निर्माता

दानवीर भामाशाह

- मेवाड़ के रक्षक और महाराणा प्रताप के बालसखा।
- मुगलों से युद्ध के लिए अपनी संपूर्ण धन-संपत्ति (जिससे 25,000 सैनिकों का 12 वर्ष तक भरण-पोषण हो सके) राष्ट्र को समर्पित कर दी।

हेमू विक्रमादित्य

- मध्यकालीन भारत के अंतिम हिंदू सम्राट।
- एक साधारण व्यापारी परिवार से उठकर दिल्ली के सिंहासन पर बैठे और मुगलों के खिलाफ 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की।

वीर महाबली: बुंदेलखंड के शूरवीर, जिन्होंने छत्रसाल के साथ मिलकर मुगलों को पराजित किया।

TELISOCIETY.COM

Teli Samaj

एक विरासत, दो धाराएं: जनसांख्यिकी और धर्म

	हिन्दू तेली	मुस्लिम तेली (मलिक/रोशनदार)
मुख्य उपनाम	साहू, राठौड़, घांची, चेट्टियार	शेख मंसूरी, मलिक, रोशनदार
भौगोलिक उपस्थिति	भारत (महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान), नेपाल	उत्तर प्रदेश, गुजरात, पाकिस्तान
ऐतिहासिक उत्पत्ति	प्राचीन वैश्य/क्षत्रिय वर्ण और पौराणिक कोल्हू परंपरा	समय के साथ धर्मांतरण, परंतु पारंपरिक व्यवसाय (तेल व्यापार) को कायम रखा
सामाजिक दर्जा	केंद्र में OBC, बिहार/झारखंड में EBC (अत्यंत पिछड़ा वर्ग)	भारत और बिहार में OBC/EBC श्रेणी में शामिल

TELISOCIETY.COM

आधुनिक राजनीति: लोकतंत्र में वर्चस्व

स्वतंत्रता संग्राम (जैसे चौरीचौरा के शहीद भगवान दीन साहू) से लेकर आधुनिक लोकतंत्र तक, समुदाय ने सर्वोच्च पदों को सुशोभित किया है:

राष्ट्रीय नेतृत्व:

नरेंद्र मोदी (भारत के प्रधानमंत्री - मोढ़ घांची समुदाय)।

राज्यों का नेतृत्व:

रघुवर दास (झारखंड के पूर्व CM)

बी.एस. येदियुरप्पा (कर्नाटक के पूर्व CM - गनिगा तेली)।

स्वतंत्र भारत के प्रथम वित्त मंत्री:

आर. के. षणमुखम चेट्टी (वनियार चेट्टियार)।

सामाजिक न्याय की लड़ाई: अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा जैसे संगठन 20वीं सदी की शुरुआत से ही समुदाय के राजनैतिक और सामाजिक उत्थान के लिए कार्यरत हैं।

TELISOCIETY.COM

झारखंड की रणभूमि: अनुसूचित जनजाति (ST) दर्जे की मांग

तेली/कुर्मी समाज का दावा

- जनसंख्या बल: राज्य में 18% से 22% आबादी (लगभग 37 लाख)।
- तर्क: आज़ादी के समय से ही अधिकारों से वंचित। पंचायत से लोकसभा तक मजबूत उपस्थिति, लेकिन आदिवासी बहुल आरक्षित सीटों के कारण प्रतिनिधित्व कम।
- मांग: अनुसूचित जनजाति (ST) की सूची में शामिल किया जाए।

आदिवासी समुदायों का विरोध (JAY)

- विरोधकर्ता: 'जय आदिवासी युवा शक्ति' (JAY) और अन्य मूल आदिवासी समूह।
- तर्क: तेली और कुर्मी मूल रूप से वैश्य/व्यापारी वर्ग हैं। इन्हें ST में शामिल करने से मूल आदिवासियों का हक छिन जाएगा।
- प्रतिक्रिया: 'आदिवासी आक्रोश महारेथ।
- प्रतिक्रिया: 'आदिवासी आक्रोश महारैली' (2018) के जरिए भारी विरोध।

वर्तमान स्थिति: ST दर्जा लंबित, लेकिन 2015/2018 के बाद से झारखंड और बिहार में इन्हें 'अत्यंत पिछड़ा वर्ग' (EBC - अनुसूची 1) में शामिल कर आरक्षण का दायरा बढ़ाया गया है।

TELISOCIETY.COM

निष्कर्ष: ओखली से सत्ता के शिखर तक

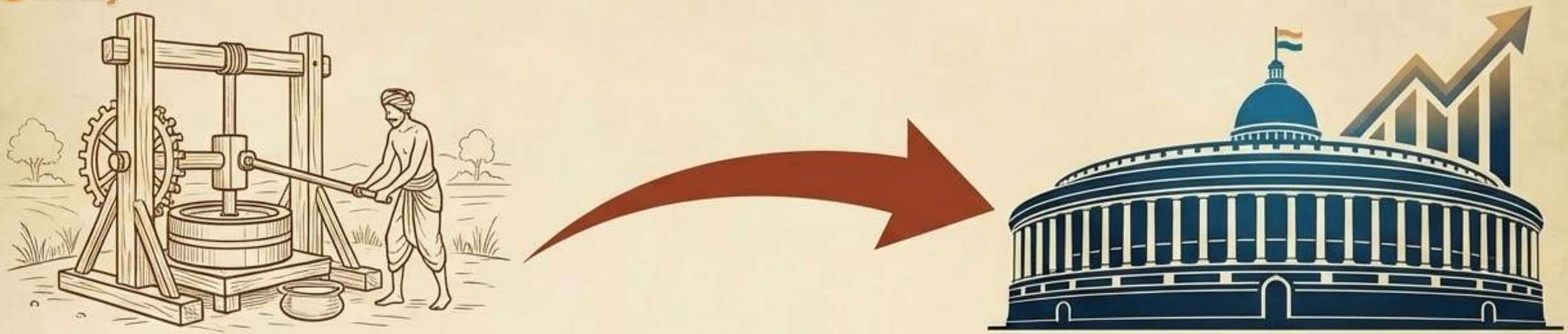

तेली समाज की कहानी केवल एक यंत्र या एक पेशे का इतिहास नहीं है।
यह कहानी है **अनुकूलन (Adaptation)** की।

जब धर्म ने चुनौती दी, तो उन्होंने व्यापार से साम्राज्य खड़े किए।
जब मुगलों ने आक्रमण किया, तो उन्होंने तलवारें उठाईं।
और जब आधुनिक लोकतंत्र का उदय हुआ, तो उन्होंने अपनी जनसंख्या और संगठन शक्ति से देश के सर्वोच्च राजनैतिक शिखरों को छुआ।

विरासत: एक ऐसा समाज जिसने सदियों से भारत को रोशन किया, और आज उसके भविष्य को दिशा दे रहा है।

Teli Samaj
TELISOCIETY.COM